A News Letter of Sanskriti University

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE

प्रतिबिम्ब

Volume:- 1 — May / June 2020

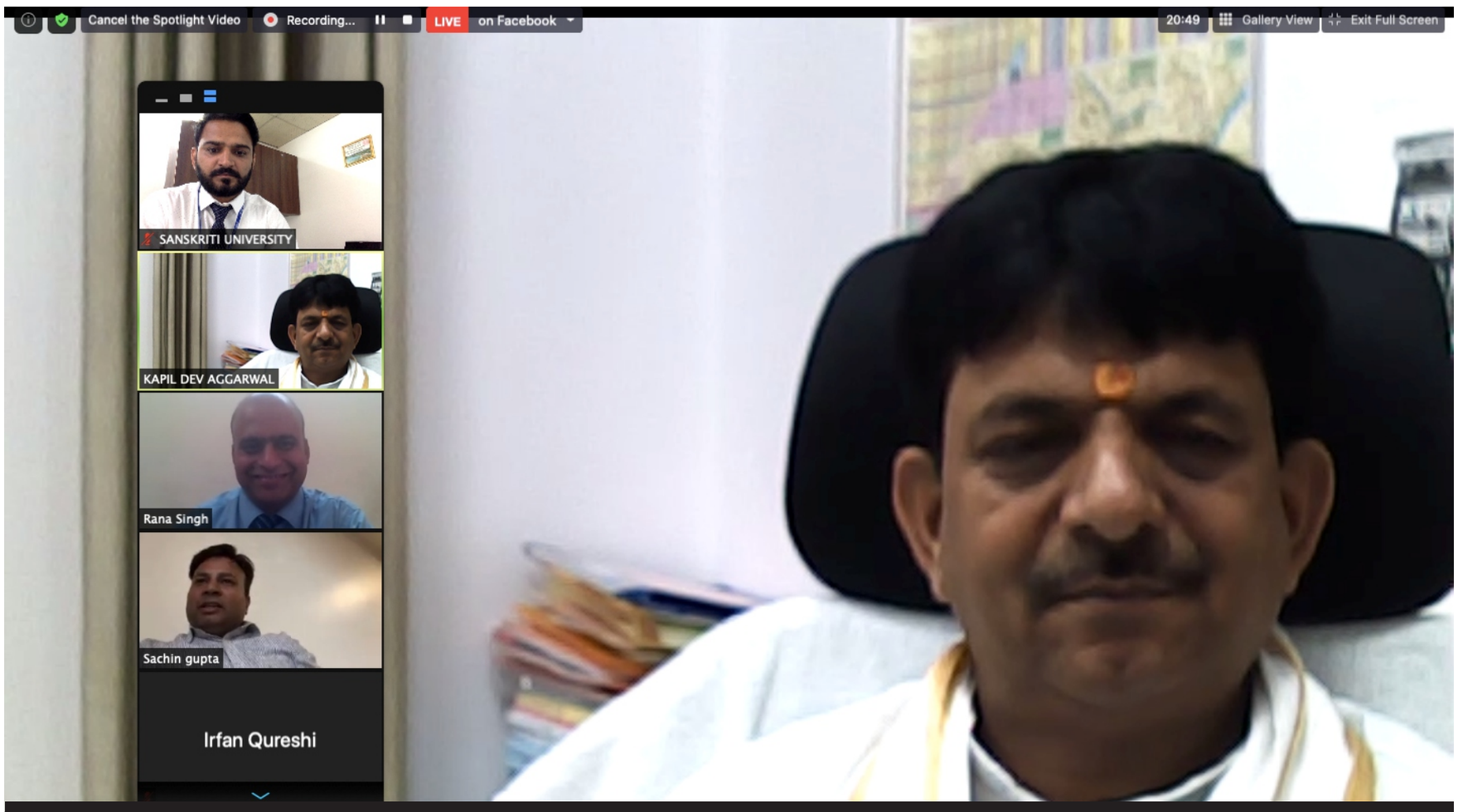

संस्कृति विवि द्वारा आयोजित वेबिनार में बोलते प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल।

युवाओं को मिले आधुनिक तकनीकि का सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण

संस्कृति विवि की वेबिनार में बोले प्रदेश के कौशल विकास मंत्री

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण वेबिनार में मुख्य अतिथि प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हमारी सरकार का एक ही लक्ष्य है कि युवाओं को आधुनिक तकनीकी का सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान किया जाये। इस लक्ष्य की पूर्ति में जो भी अवरोध हैं, उन्हे शीर्ष प्राथमिकता पर लेकर दूर किया जायेगा। उन्होंने छाता स्थित विश्वविद्यालय संस्कृति विवि के नाम और काम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के विद्यार्थियों की जिम्मेवारी बनती है कि वे अपने परिश्रम से विवि को राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा दिलाएं। कौशल विकास मंत्री कहा कि हमारे देश में भगवान कृष्ण और स्वामी विवेकानंद जैसे ज्ञानी पुरुष हुए हैं जिन्होंने विश्व को अपने कौशल से चमत्कृत किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मकता के महत्व को बताते हुए ऋणात्मक विचारों का परित्याग करने की सलाह दी। उन्होंने सुझाव दिया कि हर विद्यार्थी एक डायरी बनाए और उसमें हर दिन दो बिंदुओं पर जरूर अपना विचार लिखे, पहला कि आज दिनभर उसने अपने कैरियर के विकास के लिए क्या किया। दूसरा यह कि दिनभर में उसने समाज, देश के लिए कौन सी जिम्मेदारी पूरी की। सरकार यह प्रयास कर रही है कि प्रदेश के युवाओं को अर्न्तराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरुप प्रशिक्षित कर उन्हे रोजगार के लिये विदेशों में भेजा जाये, जिससे देश को अधिक से अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त और आर्थिक विकास में कौशल विकास का बड़ा हिस्सा हो। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार के कौशल विकास मिशन की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक इस योजना में साढ़े पांच करोड़ लोगों का पंजीकरण हो चुका है। इसमें दो तरह के पंजीकरण हुए हैं एक तो वे जो स्किल्ड हैं और दूसरा वे जो अनस्किल्ड हैं। जो अनस्किल्ड हैं उनको कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा और जो कौशलयुक्त हैं उनके लिए रोजगार की व्यवस्था की जा रही है। उस दौरान उन्होंने कोरोना महामारी की विभीषिका का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने जब भी मौका आया है देश हित में ठोस कदम उठाए हैं, चाहे वो सर्जिकल स्ट्राइक हो या फिर सीमा पर किसी देश द्वारा अतिक्रमण की कोशिश हो। इससे पूर्व संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने अपने उद्‌बोधन में कोविड-19 के संदर्भ में कहा कि हमको अब इसके साथ जीने की आदत डालनी होगी। उन्होंने बताया कि संस्कृति विवि द्वारा सजगता बरतते हुए समय रहते ही आन लाइन क्लासेज प्रारंभ कर विद्यार्थियों के पाठ्यक्र तो पूरे कराए ही गए साथ ही साथ विशेषज्ञों के द्वारा कौशल विकास के उपायों को वेबिनार के माध्यम से विद्‌यार्थियों को उपलब्ध कराया गया। कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल को संस्कृति विवि द्वारा नई दिशा में किये जा रहे प्रयासों को विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय स्थानीय क्षमता और साधनों का भरपूर उपयोग कर गाय से प्राप्त गोबर, मूत्र, फूलों से इत्र, धूप के उद्यम के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित कर उन्हें स्वयं का उद्‌योग खड़ा करने वाला बनाने के प्रयास में लगा है। विवि की सोच है कि विद्यार्थी स्वयं उद्यमी बनें न की रोजगार पाने के लिए दर-दर भटकें। इसके साथ ही उन्होंने विवि द्वारा दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दी जारी निशुल्क शिक्षा और प्रशिक्षण की भी जानकारी दी। पूर्व में मुख्यअतिथि कौशल विकास मंत्री कपिलदेव अग्रवाल का स्वागत संस्कृति विवि की ओर से स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन.डा.सुरेश कासवान ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन विवि के कुलपति डा. राणा सिंह ने किया। वेबिनार में संस्कृति विवि के संकाय सदस्य और विद्यार्थियों ने भाग लिया। ★ ★ ★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि में ले सकते हैं कहीं से भी ऑनलाइन प्रवेश

संस्कृति विवि की सजगता ने विद्यार्थियों को पहुंचाया बड़ा लाभ

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में पूर्व से ही व्यक्तिगत रूप से, फोन से अथवा आनलाइन काउंसलिंग और प्रवेश की सुविधा दी जा रही है। वर्तमान परिस्थितियों और विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए विवि ने आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया को और आसान व सुविधाजनक बनाया है। देश-विदेश के किसी भी हिस्से में रहने वाले विद्यार्थी निर्धारित वेबसाइट और फोन नंबरों पर संपर्क करके अपने चयनित पाठ्यक्रमों में आसानी से प्रवेश ले सकते हैं। संस्कृति विवि के कुलपति डा. राणा सिंह ने जारी एक बयान में कहा है कि कोविड-19 महामारी ने मानवीय जीवन के हर क्षेत्र को बुरी तरह से प्रभावित किया हुआ है। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा भी है। लाकडाउन के चलते सभी शिक्षण संस्थान अनिश्चित समय के लिए बंद हो गए। ऐसी परिस्थितियों में यदि हम उच्च शिक्षा की ही बात करें तो जो विद्यार्थी इंटर के बाद विभिन्न पाठ्यक्रम की नियमित शिक्षा ले रहे थे उनकी शिक्षा पूरी तरह से ठप हो गई। कालेजों और विश्वविद्यालयों के सामने बड़ी चुनौती यह थी कि इन विद्यार्थियों का कोर्स कैसे पूरा कराया जाय। इन हालातों में संस्कृति विवि ने तत्परता बरतते हुए आगे कदम बढ़ाया और सभी संकाय के सदस्यों को आन लाइन पाठ्यक्रम तैयार करने और विद्यार्थियों के साथ आन लाइन ही क्लास शुरू करने की पहल की। हमने सभी डीन, फैकल्टी को मार्च में लश्चक डाउन शुरू होते ही इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए थे। इसका लाभ यह हुआ कि विवि के शिक्षकों ने एक सप्ताह के अंदर ही विभिन्न एप्स के माध्यम से लाइव क्लासेज शुरू कर कोर्स पूरे कराने प्रारंभ कर दिए। कुलपति डा. राणा का कहना है कि संस्कृति विवि द्वारा विद्यार्थियों को अपने विषय में विशेष ज्ञान से लाभान्वित करने के लिए देश-दुनिया के विषय विशेषज्ञों के लेक्चर आयोजित कराए गए। कोरोना की विभीषिका को ध्यान में रखते हुए सामान्य ज्ञान और भविष्य की चुनौतियों के प्रति तैयार करने के लिए एक्सपर्ट की वेबिनार आयोजित की गई। ऐसा करने के पीछे विवि प्रशासन का उद्देश्य यही है कि हमारे विद्यार्थी इन वेबिनार से आवश्यक और अतिरिक्त कौशल हासिल करें और आने वाले भविष्य

कुलपति डा.राणा सिंह
संस्कृति विश्वविद्यालय

के लिए अपने आपको पूरी तरह से तैयार कर सकें। उन्होंने कहा है कि हमें यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि संस्कृति विवि के द्वारा लॉक डाउन के दौरान रिकार्ड 60 से अधिक विषय संबंधी और जरूरत के मुताबिक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित की जा चुकी हैं। इसके अलावा संस्कृति विवि की फैकल्टी द्वारा 32 हजार पांच सौ के करीब लेक्चर दिए जा चुके हैं। 110 फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम और 45 से अधिक फैकल्टी मीटिंग की जा चुकी हैं। यह सभी आन लाइन ही हुई हैं। आज संस्कृति विवि का विद्यार्थी भले ही विवि नहीं खुल सका हो, आवश्यक सभी पाठ्यक्रम पूरे कर चुका है। इतना ही नहीं वह वर्तमान हालातों और भविष्य की चुनौतियों से भलीभांति वाकिफ है। यहां हम यह भी बताना चाहते हैं कि माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के बाद जब विद्यार्थी अपने भविष्य की शिक्षा के लिए विषय और क्षेत्र का चयन करने जाएगा तो यहां भी उसे संस्कृति विवि द्वारा हर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। संस्कृति विवि ने आनलाइन काउंसलिंग की पूरी सुविधा दी हुई है, इसका लाभ अन्य उन राज्यों के विद्यार्थी उठा भी रहे हैं जहां माध्यमिक परीक्षाएं हो चुकी हैं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए संस्कृति विवि ने आनलाइन प्रवेश के लिए व्यापक प्रवेश प्रणाली तैयारी की है। विद्यार्थी प्रवेश के लिए अपना रजिस्ट्रेशन वेबसाइट **https%//www-sanskriti-edu-in/register**, ई. मेल **admission@sanskriti-edu-in**, व्हाट्सएप नंबर 9690899944, या फिर हेल्प लाइन 9358512345, 9359688848 से संपर्क कर करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन का काम जारी है और विद्यार्थी आन लाइन प्रवेश भी ले रहे हैं।

★ ★ ★ ★

आयुर्वेद का इस्तेमाल बचा सकता है कोरोना से:डा.राजकुमार

संस्कृति आयुर्वेद कालेज ने आयोजित की महत्वपूर्ण वेबिनार

मथुरा। संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल द्वारा आयोजित "इम्युनिटी बूस्टर एंड कोविड-19 प्रिंवेटिव मेसर्स फार चिल्डरन" विषयक सेमिनार में मुख्यवक्ता यूपी यूनिवर्सिटी आफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सैफई इटावा के कुलपति प्रोफेसर (डा.) राजकुमार ने विश्व को झकझोरने वाली महामारी कोरोना से बचाव के लिए आयुर्वेद के प्रभावकारी इस्तेमाल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि आयुर्वेद में उल्लेखित ऐसी अनेक जड़ी बूटियां हैं जिनका इस्तेमाल कर लोग इस कोविड-19 के प्रकोप से अपना बचाव कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद के माध्यम से शीघ्र ही विश्व कोरोना से मुक्त पाएगा। हमने इससे निपटने के लिए औषधि तैयार कर ली है, लगातार प्रशिक्षण चल रहे हैं। इस औषधि का नाम 'राज निर्वाण' बूटी दिया गया है। सेमिनार में गेस्ट आफ आनर निदेशक उप्र आयुर्वेदिक सेवाएं प्रोफेसर एसएन सिंह ने कहा कि आज कोरोना महामारी से जूझने में आयुर्वेद एक बड़ी भूमिका निर्वाह कर रहा है। संस्कृति विवि के चेयरमैन और देश के सबसे युवा कुलाधिपति सचिन गुप्ता के नेतृत्व में संस्कृति आयुर्वेद कालेज बच्चों की इम्युनिटी में सरकार के कार्यक्रमों में विशेष सहयोग प्रदान कर सकता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार की आयुर्वेदिक सेवाओं द्वारा अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिसमें आयुष आपके द्वार, स्कूल हेल्थ प्रोग्राम, स्वर्ण पाशन्न संस्कार आदि हैं। इनके द्वारा आयुर्वेद के उपयोगी प्रयोग के प्रति लोगों को जागरूक तो किया ही जा रहा है, साथ ही साथ उनको स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं भी दी जा रही हैं। उन्होंने कहा की कोराना से बचाव के लिए आयुर्वेद की जड़ी-बूटियों से निर्मित काढ़ा वितरित किया जा रहा है। संस्कृति विवि द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्र में आयुष मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार तैयार काढ़ा वितरित किया गया है। जहां तक बच्चों की इम्युनिटी बढ़ाने की बात है तो उसके लिए हमारे कार्यक्रमों द्वारा बच्चों के खानपान, व्यायाम तथा आयुर्वेद की औषधियों की जानकारी दी जा रही है। लोगों को आयुर्वेद की जड़ी-बूटियों के पौधे लगाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता का महत्व बताते हुए कहा कि बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता को आयुर्वेद के पारंपरिक तरीकों को अपनाकर बढ़ाया जा सकता है। इस बारे में वेबिनार में ज्ञानवर्धक जानकारी भी दी। साथ ही भारत में कोरोना महामारी का मुकाबला करने के लिए पारंपरिक उपचार पद्धति में आयुर्वेद के प्रयोग की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। राजकीय आयुर्वेदिक कालेज लखनऊ में कौमार्य भृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डा.) मिथलेश वर्मा ने बाल स्वास्थ्य पर कोविड-19 के संदर्भ में उपयोगी वक्तव्य दिया। आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेद नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर ने बच्चों पर इस महामारी के कारण पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला और बच्चों की देखभाल के लिए रसायन के प्रयोग के महत्व को बताया। वेबिनार में आयुर्वेद कालेज के सभी छात्र-छात्राओं और चिकित्सकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इससे पूर्व संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह व एकेडमिक डीन सुरेश कासवान में अतिथियों का परिचय देते हुए स्वागत किया। वेबिनार का समापन संस्कृति विवि की विशेष कार्याधिकार मीनाक्षी शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

★ ★ ★ ★ ★ ★

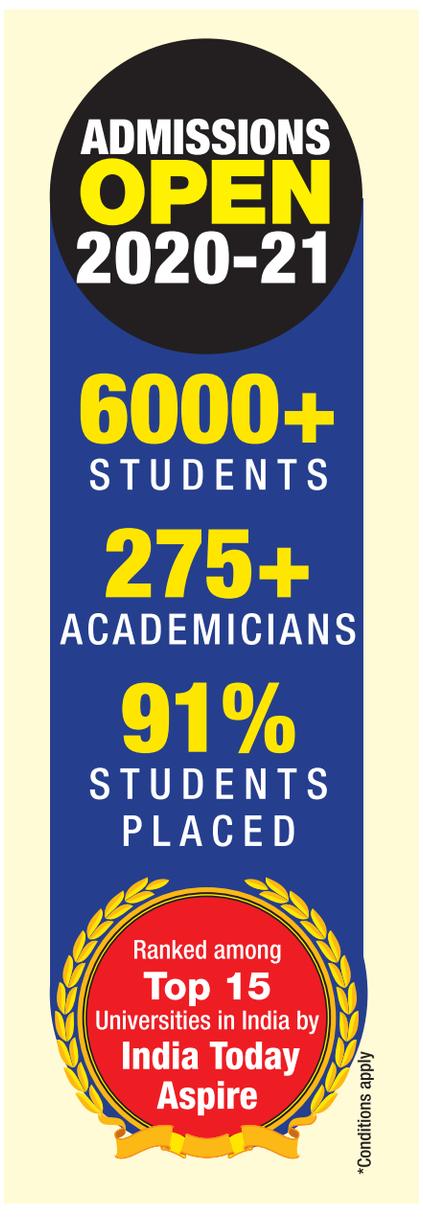

फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में हैं रोजगार की अपार संभावनाएं

संस्कृति विवि वेबिनार

मथुरा। संस्कृति विवि के स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग द्वारा, 'स्ट्रैटेजी एंड कैरियर परस्पेक्टिव इन फैशन डिजाइनिंग', विषयक एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विद्यार्थियों को फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र की बारीकियों के साथ आवश्यक रणनीति और कैरियर की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वेबिनार में उपस्थित मुख्यवक्ता भारत सरकार के कौशल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित फैशन टेक्नोलाजी केंद्र की प्रशिक्षक सोनू घिया ने फैशन इंडस्ट्री की जानकारी देते हुए कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां नित नए परिवर्तन होते रहते हैं। यहां हर समय नवाचार किए जाते हैं और उनको तुरंत स्थान भी मिलता है। यह एक बहुत व्यापक क्षेत्र है जहां कैरियर की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इस क्षेत्र में न केवल मनवांछित रोजगार भी पा सकते हैं, वरन अपना उद्योग खड़ा कर उद्योगपति भी बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इस इंडस्ट्री में अपना उद्यम खड़ा करने के लिए अनेक योजनाएं और सुविधाएं दी हुई

हैं। विद्यार्थी इनका लाभ उठा सकते हैं। श्रीमती घिया ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्र में कैरियर बनाने के भी बहुत मौके हैं। इन क्षेत्रों में कौशल और ज्ञानवान युवाओं की हमेशा जरूरत और मांग रहती है। विद्यार्थी अपने आप का निरंतर विकास कर इस इंडस्ट्री में बड़ा नाम कमा सकते हैं।

वेबिनार का संचालन संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अर्पित मिश्रा ने किया। वेबिनार में विवि के कुलपति डा. राणा सिंह के अलावा संकाय सदस्य और संस्कृति विवि के अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

शीघ्र हटेगा टूरिज्म इंडस्ट्री पर छाया कुहासा: डा. भोसले

संस्कृति विवि वेबिनार

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटलिटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय टूरिज्म इंडस्ट्री पर कोविड-19 के प्रभाव को लेकर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजजन किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता रायल कालेज आफ होटल मैनेजमेंट हल्द्वानी के निदेशक अनुराग भोसले थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि यह सच है कि कोरोना के प्रभाव से टूरिज्म इंडस्ट्री विश्वव्यापी स्तर पर बुरी तरह से प्रभावित हुई है लेकिन जल्द ही इंडस्ट्री पर छाया कुहासा हटेगा और फिर से यह इंडस्ट्री पहले से और अधिक प्रभावशाली ढंग से सक्रिय होगी। इससे पूर्व उन्होंने कोरोना से हुए विश्वव्यापी प्रभाव को विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि इस महामारी से घबराने की जरूरत नहीं, बल्की जरूरत है इस महामारी से बचाव के तरीकों को गंभीरता से अपनाने की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोविड-19 के चलते टूरिज्म इंडस्ट्री पूरी तरह से बंद है और टूरिस्ट का कोई आवागमन नहीं हो रहा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटलिटी के डीन प्रोफेसर डीसी वशिष्ठ ने कहा कि टूरिज्म इंडस्ट्री के ठप होने की वजह से व्यावसायिक उड़ानों पर भी बुरा प्रभाव पड़ा है। इतना ही नहीं अंतराष्ट्रीय

रायल कालेज आफ होटल मैनेजमेंट हल्द्वानी के निदेशक अनुराग भोसले।

सीमाएं, एअरपोर्ट पूरी तरह से सील होने के कारण लोगों का आवागमन अपरुद्ध है। देश के अंदर भी कई राज्यों की सीमाएं सील हैं जिसके कारण आवागमन अवरुद्ध है। होटल भी बंद हैं। एसआरएम विश्वविद्यालय के प्राचार्य सुनील पंवार ने भी लगभग इन्हीं परिस्थितियों का ब्यौरा दिया। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटलिटी के विभागाध्यक्ष पियूष झा और असिस्टेंट प्रोफेसर योगेश कुमार ने संयुक्त रूप से वेबिनार का संचालन किया। वेबिनार में डा. जयदेव शर्मा, विकास शर्मा, अंकुर गुप्ता, डा. सीपी वर्मा, केपी सिंह अधिकारियों के अलावा होटल मैनेजमेंट के अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
www.sanskriti.edu.in
B.TECH- CS
(Artificial Intelligence & Machine Learning)
10 interviews Guarantee with Continuous opportunities from our hiring partners
upGrad Semester Certificate Programme Advantage
Recruitment Training
Aptitude Training
Employability Test
Resume Building Sessions
Mock interviews
Get Job Opportunity
Join First-of-its-Kind Corporate
with upGrad
Certificate Programme
Ranked 6th Sanskriti School of Engineering & Information Technology in Private Colleges in Uttar Pradesh, By INDIA TODAY, Best Colleges Ranking 2020
Campus: 28 K. M. Stone, Chhata, Mathura (U.P.) 9690899944 enquiry@sanskriti.edu.in
Toll Free Number 1800 120 2880, Helpline: 9358512345

शिक्षा के द्वारा समाज को सही दिशा में ले जाएं विद्यार्थी

मथुरा। वर्तमान दौर में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे अथवा उच्च शिक्षा के लिए विषय संबंधी योजना बना रहे विद्यार्थियों के लिए निसंदेह बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। विश्व जिन हालातों से गुजर रहा है उसको देखते हुए उच्च शिक्षा में भी व्यापक परिवर्तन का परि श्य बन रहा है। इसको ध्यान में रख कर ही हमारी आने वाली पीढ़ी को अपनी शैक्षिक योजना तैयार करनी चाहिए। यह बात विद्यार्थियों के नाम से जारी एक संदेश में संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने कही है। उन्होंने कहा कि आज का समय ऐसा है जिसमें की हम घर पर बैठे ही अपने भविष्य को निर्धारित कर सकते हैं। इसके लिए विद्यार्थी जोकि उच्च शिक्षा में पदार्पण करने वाले हैं, उनको सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करना होगा। अपने लक्ष्य के अनुसार विषय का चयन करना होगा। विषय चयन करने के बाद उनको वह शिक्षण संस्थान तलाशना होगा जिससे कि वह अपने भविष्य का निर्माण कर सकें। उन्होंने अपने

सचिन गुप्ता
कुलाधिपति संस्कृति विश्वविद्यालय

संदेश में जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृति विश्वविद्यालय ने कोरोना महामारी के संकट को देखते हुए प्रारंभ में ही ऑनलाइन शिक्षा की तैयारियां शुरू कर दी थीं। यह सब छात्रों की आवश्यकता और सुविधा की ष्टि से किया गया था। विश्वविद्यालय की एकेडमिक टीम ने सभी विषयों के पाठ्यक्रम को अश्वनलाइन के लिए सहज बनाते हुए, तैयार किया है। आज संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा सभी पाठ्यक्रम विभिन्न ऐप के माध्यम से विषय के अनुसार लोड किए जा चुके हैं। ऑनलाइन कक्षाओं की व्यवस्था है और विशेष दक्षता हासिल करने के लिए निरंतर वेबिनार आयोजित की जा रही हैं, जिनके द्वारा विषय विशेषज्ञ विषय संबंधी नवीनतम जानकारियां उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृति विश्वविद्यालय के माध्यम से विद्यार्थी अपनी कक्षाएं, विषय संबंधी पाठ्यक्रम, विषय विशेषज्ञों की सेमिनार और फैकल्टी से सीधे संपर्क कर अपने विषय संबंधी समस्याओं का निराकरण ऑनलाइन कर रहे हैं और कर सकते हैं। कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने अपने संदेश में स्पष्ट करते हुए कहा है कि हमने सिर्फ विद्याध्ययन के लिए ही नहीं बल्कि उच्च शिक्षा के लिए योजना बना रहे विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु भी विस्तृत प्रवेश प्रणाली तैयार की हुई है। विद्यार्थी उन रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में अश्वनलाइन प्रवेश सहजता से ले सकता है, जिसमें कि उसकी रुचि है। प्रवेश संबंधी प्रक्रिया अथवा अन्य कोई भी जानकारी संस्कृति विश्वविद्यालय की वेबसाइट से दिए गए फोन नंबरों से की जा सकती है। कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों को वर्तमान स्थिति से ना घबराते हुए अपनी शिक्षा को निरंतर जारी रखने की अपील करते हुए कहा है कि इस देश को योग्य और कुशल विद्यार्थियों की बहुत जरूरत है। यही विद्यार्थी हमारे देश का भविष्य निर्माण करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से यह भी कहा है कि वह इस महामारी के दौरान आने वाली समस्याओं का सरकार के दिए गए निर्देशों के अनुरूप ही समाधान करें। स्वयं तो उनका पालन करें ही साथ में अपने परिवार और आसपास के लोगों को इस महामारी की गंभीरता से परिचय कराते हुए सावधान रहने के लिए और आवश्यक सभी निर्देशों का पालन करने के लिए प्रेरित करते रहें।

होटल इंडस्ट्री में होगा भोजन सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ टूरिज्म एंड हास्पिटेलिटी द्वारा 'चौलेंजेज आफ फूड सेफ्टी हाईजिन एंड न्यूट्रीशियन इन होटल' विषयक एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता थे इंडियन टूरिज्म डवलपमेंट कार्पोरेशन के पूर्व वाइस प्रेसीडेंट शेफ सुधीर सिबल। उन्होंने वेबिनार में विद्यार्थियों को भोजन की सुरक्षा और रसोई में सोशल डिस्टेंसिंग की जरूरत और आवश्यक तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के चलते होटल इंडस्ट्री में खाद्य पदार्थों की सुरक्षा और किचिन में सोशल डिस्टेंसिंग व साफ सफाई का महत्व और बढ़ गया है। शेफ सुधीर ने बताया कि भोजन में अधिक से अधिक न्यूट्रीन इस्तेमाल किया जाना चाहिए, साथ ही शाकाहार के लिए नई-नई डिशेज का प्रयोग करना लाभदायक होगा। होटलों को ऐसे मीनू तैयार करने चाहिए जिनमें लोगों के लिए आवश्यक स्वास्थ्यवर्धक और न्यूट्रीनयुक्त भोजन हो। रसोईघर में हाईजिन और सैनिटेशन का गंभीरता से पालन होना चाहिए। संस्कृति स्कूल आफ टूरिज्म एंड हास्पिटेलिटी के डीन प्रोफेसर डीसी वशिष्ठ ने खाने की शुद्धता और स्वास्थवर्धकता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भोजन सुरक्षा के मानकों का गंभीरता से पालन हो ताकि भोजन संदूषण (फूड कंटेमिनेशन) और फूड पाइजिनिंग की संभावना पैदा न हो। उन्होंने इसके लिए उन सभी सावधानियों

सुधीर सिबल

पर विस्तार से प्रकाश डाला जिनके अभाव में फूड कंटेमिनेशन और फूड पाइजनिंग होने की संभावना उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी है कि सर्व किये जाने वाले भोजन की समय से जांच होना जरूरी है। भोजन में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, मिनरल, विटामिन और कार्बोहाइड्रेड शामिल होने चाहिए। वेबिनार में ओएन मेहरा, संस्कृति स्कूल आफ टूरिज्म एंड हास्पिटेलिटी विभाग के विभागाध्यक्ष पियूष झा ने भी विचार व्यक्त किए। असिस्टेंट प्रोफेसर योगेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

हमारी योग्यता बढ़ाती है आत्मविश्वास के साथ संवाद की क्षमता

संस्कृति विश्वविद्यालय की वेबिनार में बोले विशेषज्ञ

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग द्वारा 'कम्युनेकेटिंग विद कान्फिडेंस (आत्मविश्वास के साथ संवाद) 'विषयक एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता पेशेवर विशेषज्ञ शरद कामरा ने विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को कहा कि हमारी योग्यता हमारे अंदर आत्मविश्वास पैदा करती है और आत्मविश्वास के साथ संवाद करने हमारी क्षमता को बढ़ाती है। जब हम आत्मविश्वास के साथ संवाद करते हैं तो हम अपने क्षेत्र में प्रभावशाली स्थान बना पाते हैं। विशेषज्ञ कामरा ने कहा कि विद्यार्थियों अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध और विश्वसनीय होना चाहिए, एकाग्र और ढ़ता के साथ-साथ स्पष्ट भी होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को आक्रामक होने के बजाय मुखर और साथ ही साथ एक बेहतर श्रोता बनने के लिए प्रेरित किया। 20 वर्षों से अधिक समय तक नामचीन अनेक संस्थानों में काम कर चुके को वेलनेस और लाइफ स्टाइल मैनेजमेंट, जेंटल एंड फ्लो योगा, ब्रीदिंग तकनीक और मेडिटेशन में विशेषज्ञता हासिल है। अनुभवी विशेषज्ञ कामरा ने कहा कि ईमानदारी जीवन और

संस्कृति विश्वविद्यालय की वेबिनार में बोलते विषय विशेषज्ञ शरद कामरा।

लक्ष्य दोनों के लिए बहुत जरूरी है। स्थायी प्रगति के लिए यह सूत्र वाक्य है। अपने ध्येय को सामने रखकर ईमानदारी के साथ काम करने से ही सफलता सुनिश्चत होती है। विद्यार्थियों को उन्होंने जीवन शैली बेहतर बनाने के लिए भी अनेक टिप्स दिए। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को वे तरीके भी बताए जिनसे वे साक्षात्कार के समय या प्रेजेंटेशन के समय पूरी तरह से आश्वस्त और निपुण कैसे हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास के साथ संवाद करने से ही साक्षात्कार में सफलता मिलती है। अंत में, इंजीनिरिंग विभाग के एचओडी विंसेंट बालू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इससे पूर्व संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह तथा स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन डा. सुरेश कासवान ने विषय विशेषज्ञ शरद कामरा का स्वागत किया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

समस्या से मुक्ति, समस्या को हल करने से ही: अरुणाचलम

संस्कृति विवि वेबिनार

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आर्गेनाइजेशन एक्सपेटेशन: टूल्स आफ सेल्फ डवलपमेंट विषय को लेकर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता थे आईएफबी आटोमोटिव्स लिमिटेड के प्लांट हेड, एस अरुणाचलम। उन्होंने वेबिनार में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी समस्या से भागना भी समाधान से दूरी को बढ़ाता है। समस्या से बचने का सबसे आसान तरीका इसे हल करना है। वेबिनार का संचालन जूम एप के माध्यम से किया गया और इसका यू ट्यूब पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण किया गया। अदक्षिण के जाने माने विशेषज्ञ अरुणाचलम ने वेबिनार में सम्मलित विद्यार्थियों और शिक्षकों को उन बुनियादी अपेक्षाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जो कोई भी संस्थान अपने कर्मचारियों से करता है। उन्होंने संस्थान और कर्मचारी के बीच के संबंधों पर भी प्रकाश डाला। इस संबंध में उन्होंने जापान के फाइव एस सिस्टम की जानकारी देते हुए बताया कि इसका क्या मतलब है और इस सफलतापूर्वक कैसे लागू किया जाता है। उन्होंने कोविड-19 के संदर्भ में इसमें वृद्धि करत हुए 6 एस सिस्टम भी इजाद किया। ज्ञात रहे कि फाइव एस एक कार्यस्थल संगठन विधि है जो पाँच जापानी शब्दों की एक सूची है। जापानी भाषा में ये सेरी, सीतोन, सीस, सीकेत्सु और शितुस्के बोले

आईएफबी आटोमोटिव्स लिमिटेड के प्लांट हेड, एस अरुणाचलम ।

जाते हैं। हिंदी में इनको चयन, क्रमानुसार व्यवस्थित करना, प्रकाश में लाना, मानकीकृत और स्थायित्व कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सूची बताती है कि किस तरह इस्तेमाल की गई वस्तुओं की पहचान और भंडारण, क्षेत्र और वस्तुओं को बनाए रखने और नए आदेश को बनाए रखने के लिए दक्षता और प्रभावशीलता के लिए एक कार्य स्थान को व्यवस्थित करना है। निर्णय लेने की प्रक्रिया आमतौर पर मानकीकरण के बारे में एक संवाद से आती है, जो कर्मचारियों के बीच समझ पैदा करती है कि उन्हें काम कैसे करना चाहिए। उन्होंने पी.डी.सी.ए (योजना- दर- जांच- कार्य) चक्र के बारे में भी बड़ी उपयोगी जानकारी दी। इससे पूर्व मुख्य वक्ता का परिचय संस्कृति विवि के कुलपति डा.राणा सिंह व इंजीनिरिंग कालेज के डीन डा. सुरेश कासवान ने दिया। वेबिनार का संयोजन मैकेनिकल इंजीनियरिंग के हेड प्रोफेसर विंसेंट बालू द्वारा किया गया।

★ ★ ★ ★ ★

JOIN **MBA**
with specialization in
BUSINESS ANALYTICS with **upGrad**

upGrad Semester Certificate Programme

- Recruitment Training
- Aptitude Training
- Employability Test
- Mock interviews
- Resume Building
- Sessions

5 Job Interviews Guaranteed

With Continues opportunities from our hiring partners

Ranked among **Top 15** Universities in India by **India Today Aspire**

School of Management & Commerce Ranked **6th** in Private Colleges in Uttar Pradesh, By **India Today**, Best Colleges Ranking 2020

Helpline: 9358512345, 7248111234

Campus: 28 K. M. Stone, Chhata, Mathura (U.P.) 9690899944
enquiry@sanskriti.edu.in | Toll Free Number: 1800 120 2880

संस्कृति आयुर्वेद कॉलेज की डॉक्टर सुपर्णा एडीएम (ई) सतीश कुमार त्रिपाठी को काढ़े के पैकेट सौंपती हुई।

संस्कृति आयुर्वेद कालेज ने सौंपा अधिकारियों को काढ़ा

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय की टीम द्वारा प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में संस्कृति आयुर्वेद कालेज एवं हास्पिटल में निर्मित काढ़े का वितरण किया गया। टीम का नेतृत्व कर रहीं डा. सुपर्णा ने बताया कि शुक्रवार को संस्कृति आयुर्वेद कालेज की टीम ने एडीएम (ई) सतीश कुमार त्रिपाठी, एडीएम (एफ एंड आर) ब्रजेश कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह को काढ़े के पैकेट वितरित किए। इससे पूर्व गुरुवार को संस्कृति आयुर्वेद कालेज की टीम ने एसडीएम छाता, सीओ छाता, अकबर पुर पुलिस चौकी, नगला बिरजा, गांव नरी, गांव सैमरी में जरूरतमंदों को काढ़े के पैकेटों का निशुल्क वितरण किया। उलेखनीय है कि संस्कृति विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के द्वारा आयुष मंत्रालय के निर्देशों के क्रम में आयुष काढ़ा बनाकर गोद लिए 5 गांव में काढ़े का वितरण किया जा रहा है।शुरू कर दिया है। पंचकर्मा विभाग के डॉक्टर हनुमंत ने बताया कि आयुष काढ़ा वितरण के साथ लोगों को यह भी बताया गया कि वे कैसे इसको प्रयोग करें और इस काढ़े क सेवन के क्या लाभ हैं। डा. हनुमंत ने बताया कि वर्तमान करोना महामारी के इस दौर में लोगों की प्रतिरोधक क्षमता के विकास की बहुत आवश्यकता है।

संस्कृति आयुर्वेद कॉलेज की डॉक्टर सुपर्णा एडीएम (एफ एंड आर) बृजेश कुमार को काढ़े के पैकेट सौंपती हुई।

उन्होंने बताया कि संक्रमित व्यक्ति और जो संक्रमित नहीं हैं, उन सभी के लिए यह काढ़ा बहुत उपयोगी है। इसी सोच के साथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज ने अपने यहां आयुष काढ़ा तैयार करके विश्वविद्यालय द्वारा आसपास के गांवों में लोगों को अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए वितरित किया गया है। उन्होंने बताया कि निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार काढ़ा बनाकर 50- 50, 100-100,200-200 ग्राम की पैकिंग में वितरित किया जा रहा है ।

★ ★ ★ ★ ★ ★

संस्कृति आयुर्वेद एवं यूनानी अस्पताल से ठीक होकर जा रहे करोना के मरीजों को काढ़ा वितरित करते हुए विवि के रजिस्ट्रार व अन्य अधिकारी।

संस्कृति आयुर्वेद कालेज से छह करोना मरीज और ठीक हुए

मथुरा। छाता स्थित संस्कृति आयुर्वेद एवं यूनानी अस्पताल में भर्ती किए गए छह और कोरोना मरीज ठीक होकर अपने घर को रवाना किये गए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आयुर्वेद कालेज द्वारा निर्मित काढ़े और शुभकामनाओं के साथ इन मरीजों को विदा किया। ज्ञात हो कि जिला प्रशासन के निर्देश पर संस्कृति आयुर्वेद एंड यूनानी एल-वन अटैच्ड कोविड-19 हास्पिटल में 160 बैड कोविड-19 मरीजों के लिए तैयार किए गए हैं। विगत 13 जून को यहां 34 मरीज भर्ती किए गए थे। 14 जून को आठ मरीज भर्ती किए गए। 15 जून को चार मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज किए गए। अब तक यहां से 19 मरीज ठीक होकर जा चुके हैं और वर्तमान में 48 मरीज भर्ती हैं। विगत सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजीव यादव ने उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राजीव गुप्ता के साथ संस्कृति आयुर्वेद एवं यूनानी अस्पताल एल-वन अटैच्ड 160 बैड का निरीक्षण भी किया था। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा उपस्थित चिकित्सकीय टीम को निर्देशित किया गया कि सभी भर्ती मरीजों को को कम से कम दो बार चिकित्सकों द्वारा और कम से कम तीन बार उपचारिकाओं द्वारा परीक्षण किया जाय। एल-वन इंचार्ज डा. अमित कश्यप द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन बेडशीट बदली जा रही हैं एवं सपोर्टिंग स्टाफ द्वारा समुचित सफाई की व्यवस्था विशेष रूप से की जा रही है। संस्कृति आयुर्वेद एवं यूनानी अस्पताल की ओर से ठीक होकर जा रहे सभी मरीजों को काढ़े का वितरण किया जा रहा ताकि वे उसका प्रयोग कर अपने को स्वस्थ्य रख सकें। इसके साथ ही उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं भी दी जा रही हैं।

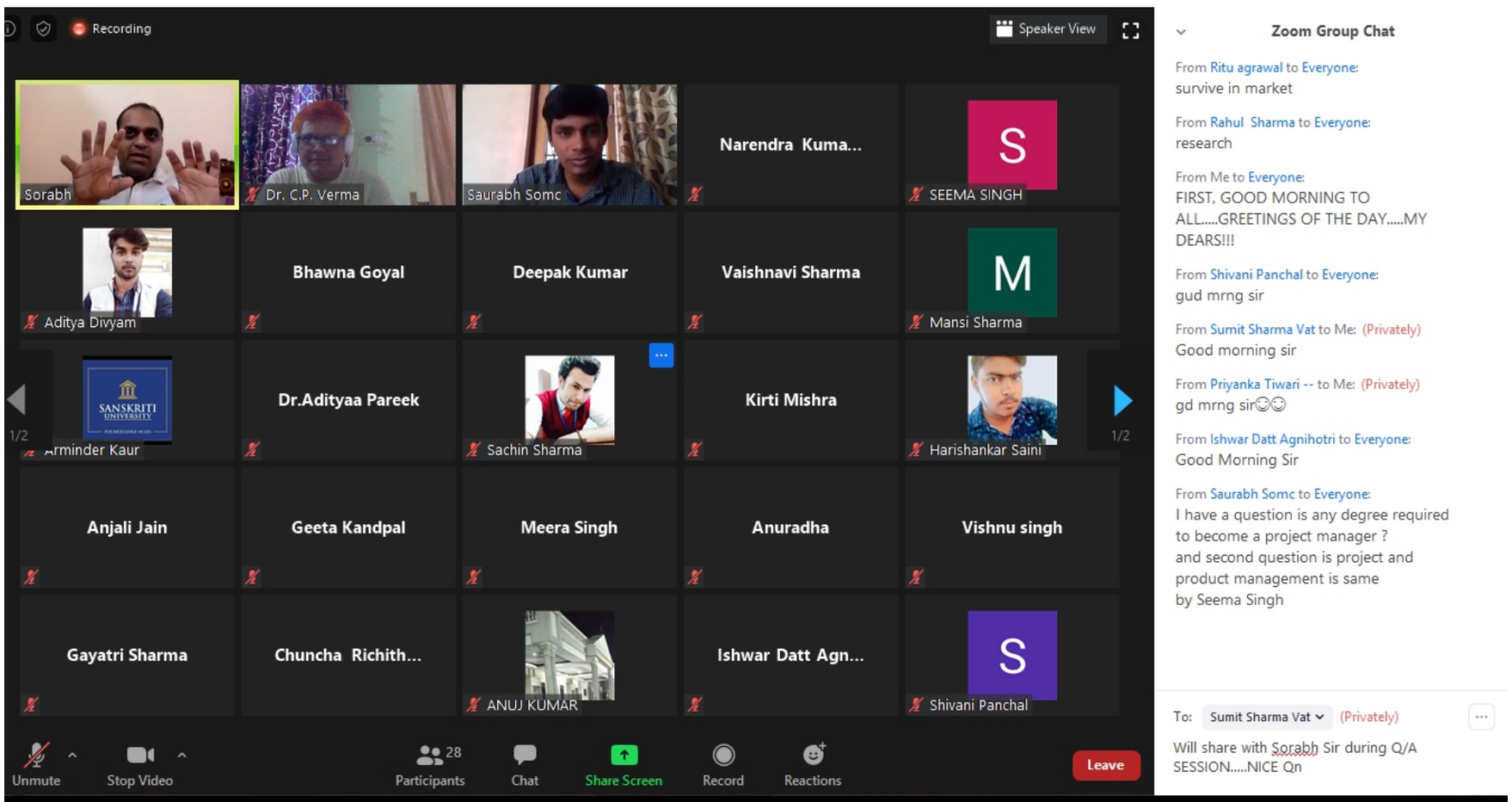

वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रोफेसर सौरभ बजाज

योग्य विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में है सुनहरा भविष्य

संस्कृति विवि ने आयोजित की राष्ट्रीय वेबिनार

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स द्वारा ''प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एस प्रोफेशन: की स्किल्स रिक्वायर्ड टू बी सक्सेसफुल'' पर एक विशेष राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख् वक्ता अंतरराष्ट्रीय स्पीकर और हड़प्पा शिक्षण संस्थान के एसोसिएट डायरेक्टर प्रोफेसर सौरभ बजाज थे। वेबिनार को जूम ऐप के माध्यम से संचालित किया गया। इस वेबिनार का प्रसारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यू ट्यूब के द्वारा प्रसारित हुआ। प्रो. सौरभ बजाज ने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पप्रोजेक्ट लाइफ साइकल और प्रोजेक्ट्स के परिचय, विकास, परिपक्वता और गिरावट चार प्रमुख भाग हैं। इसके अलावा उन्होंने राजस्व और लाभ अवधारणा, रिसर्च एंड डवलपमेंट के महत्व पर बारीकी से प्रकाश डाला। बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सफल होने के लिए परयोजना बनाने की कुशलता, परियोजना प्रबंधक की भूमिका का कुशल निर्वहन और परियोजना प्रबंधक द्वारा विभिन्न प्रकार के कौशल की आवश्यकता होती है अर्थात ऐसे समय में हार्ड स्किल और सॉफ्ट स्किल की उपयोगिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने ने कहा इस क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए अनेक अवसर हैं। वर्तमान परि श्य को देखते हुए, छात्रों को हर वह प्रयास करना चाहिए जो इस देश के विकास के लिए आवश्यक है। सरकार रोजगार के लिए कई सुविधाएं प्रदान कर रही है। अंत में वेबिनार में भाग ले रहे विद्यार्थियों और शिक्षकों ने प्रोफेसर बजाज से विषय संबंधी अनेक प्रश्न पूछे। प्रोफेसर बजाज ने सभी सवालों का विस्तार से जवाब देकर प्रश्नकर्ताओं की जिग्यासा का समाधान किया। वेबिनार का शुभारंभ संस्कृति विवि के स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड कामर्स के विभागाध्यक्ष डा. सीपी वर्मा ने मुख्य वक्ता से सबको परिचित कराया। वेबिनार में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी, (उ.प्र.), जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म. प्र.), दिल्ली विश्वविद्यालय, एमसीआरपीवी विश्वविद्यालय, भोपाल, आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर, केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, हिंदुस्तान विश्वविद्यालय चेन्नई, लवकुश व्यावसायिक विश्वविद्यालय, पंजाब, जागरण लेकसिटी के संकाय सदस्यों और छात्रों ने भी भाग लिया। 117 संकाय सदस्य और 578 छात्र वेबिनार में सक्रिय रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा वेबिनार में संस्कृति विवि के कुलपति डॉ. राणा सिंह, एकडमिक डीन डॉ. अतुल कुमार, डॉ. डीसी वशिष्ठ, डॉ. जयदेव शर्मा, डॉ. प्रफुल्ल कुमार, डॉ. आदित्य पारीक, डॉ. हरविंदर कौर, आदि कई शिक्षक और तकनीकी विशेषज्ञ उपस्थित थे। ★ ★ ★

संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की टीम गांव दद्दी गढ़ी में काढ़ा वितरित करते हुए।

लोगों की इम्युनिटी बढ़ाने को संस्कृति विवि ने शुरू किया काढ़ा बांटना

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हश्वस्पिटल के द्वारा आयुष मंत्रालय के निर्देशों के क्रम में आयुष काढ़ा बनाकर गोद लिए 5 गांव में काढ़े का वितरण शुरू कर दिया है। संस्कृति विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज की टीम द्वारा पहले दिन गांव दद्दी गढ़ी में वितरित किया गया। टीम के लीडर पंचकर्मा विभाग के डॉक्टर हनुमंत ने बताया कि आयुष काढ़ा वितरण के साथ लोगों को यह भी बताया गया कि वे कैसे इसको प्रयोग करें और इस काढ़े का सेवन के क्या लाभ हैं। डा. हनुमंत ने बताया कि वर्तमान करोना महामारी के इस दौर में लोगों की प्रतिरोधक क्षमता के विकास की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि संक्रमित व्यक्ति और जो संक्रमित नहीं हैं, उन सभी के लिए यह काढ़ा बहुत उपयोगी है। इसी सोच के साथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज ने अपने यहां आयुष काढ़ा तैयार करके विश्वविद्यालय द्वारा आसपास के गांवों में जिनमें नरी, सेमरी, छाता, दद्दी गढ़ी और नगला देवी शामिल हैं, में लोगों को अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार काढ़ा बनाकर 50- 50 ग्राम की पैकिंग मंन वितरित किया जा रहा है । लोगों को आयुष विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा तैयार आयुष कवच कोविड-१९ ऐप को प्ले स्टोर से डाउनलोड करने के लिए भी विश्वविद्यालय की टीम ने प्रेरित किया।

★ ★ ★ ★ ★

विद्यार्थी अपने आपको नेतृत्व करने के लिए तैयार करें: ब्रि. राजपुरोहित

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड कामर्स द्वारा 'मोटिवेट योरसेल्फ टू बी ए लीडर टुमौरो' विषयक एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता ब्रिगेडियर (डा.) जे.एस राजपुरोहित थे।

उन्होंने वेबिनार में विद्यार्थियों को व्यक्तित्व निर्माण के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हम भविष्य में अपने देश, संस्थान और व्यवसाय का तभी नेतृत्व कर सकते हैं, जब हम अपने को इसके लिए पूरी क्षमता के साथ तैयार करें। उन्होंने संस्कृति की एक प्रसिद्ध कहावत, काक च्येष्ठा, बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पहारी, गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं।। का जिक्र करते हुए कहा कि एक योग्य विद्यार्थी में कौवे की तरह जानने की

ब्रिगेडियर (डा.) जे.एस. राजपुरोहित

च्येष्ठा, बगुले की तरह ध्यान, कुत्ते की तरह निद्रा, आवश्यकतानुसार भोजन करने की आदत और घर को त्यागने की क्षमता होनी चाहिए। ऐसा विद्यार्थी ही जीवन में लीडर बनने की सामर्थ्य रख सकता है। उन्होंने कहा कि जब इरादे मजबूत होते हैं, तो सफलता मिलती ही है। विद्यार्थी जीवन कठोर अनुशासन वाला जीवन है। यहां जिनके लक्ष्य स्पष्ट और परिश्रम श्रेष्ठ होता है वही अपनी मंजिल पर पहुंचते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने आप को श्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित बनने की आदत डालने को कहा। इसके साथ ही वेबिनार में भाग ले रहे विद्यार्थियों और विभिन्न विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने उनसे अनेक सवाल कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। इससे पूर्व संस्कृति विवि के स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड कामर्स के विभागाध्यक्ष डा. सीपी वर्मा ने मुख्य वक्ता से सबका परिचय कराय। वेबिनार में संस्कृति विवि के विद्यार्थियों और शिक्षकों के अलावा जीवाजी विश्विविद्यालय ग्वालियर, बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी झांसी, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली, एमसीआरपीवी यूनिवर्सिटी भोपाल, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी राजस्थान, हिंदुस्तान यूनिवर्सिटी चेन्नई, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब, जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी भोपाल आदि के 197 संकाय सदस्य और विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनके अलावा संस्कृति विवि के कुलपति डा. राणा सिंह, डा. अतुल कुमार, प्रोफेसर वैष्णवी शर्मा, प्रोफेसर सौरभ कुमार, प्रोफेसर आदित्य कुमार, प्रोफेसर सीमा सिंह, प्रोफेसर सचिन शर्मा, प्रोफेसर दामिनी शर्मा आदि ने भाग लिया।

★ ★ ★

ठान लें तो कोई सपना ऐसा नहीं जो पूरा न हो: मैथ्यू

संस्कृति विवि ने आयोजित की राष्ट्रीय वेबिनार

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ मैनेजमेंट ने, 'ड्रीम्स-यू कैन अचीव' विषयक एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन जूम एप के माध्यम से किया। वेबिनार में देश के नामचीन विवि के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। वेबिनार के मुख्य वक्ता अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक और आध्यात्मिक अध्यक्ष, महाप्रबंधक, भारतीय खाद्य निगम त्रिवेंद्रम (केरल) साजी मैथ्यू थे। वेबिनार में लगभग 455 छात्रों और फैकल्टी ने भाग लिया। संस्कृति विवि के अलावा भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (एमपी), बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (एमपी), डीएबीवीवी, इंदौर (एमपी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, एमसीआरवीवी विश्वविद्यालय, भोपाल (एमपी), आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर (एमपी), केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान, एलएनआईपीई विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मप्र) आदि आमंत्रित थे। वेबिनार के मुख्य वक्ता साजी मैथ्यू ने सबसे पहले सवाल उठाया कि हमको यह जानना चाहिए कि हमारे सपने क्या हैं, सपनों के प्रति स्पष्ट होने से हमारे लक्ष्य की प्राप्ति में आसानी होती है। हमें यह देखना चाहिए कि कौन-कौन सी बाधाएं हमारे सपने को पूरा करने में आड़े आ रही हैं और उनके निदान पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने अपने निजी

उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे अपने सपने को पूरा किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने अनेक सवाल भी उठाए जिसका की छात्रों ने और वेबिनार में भाग ले रहे विषय विशेषज्ञों ने उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि यदि आपने अपने सपने को पूरा करने के लिए ठान लिया है, तो उसको पूरा होने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने एक महत्वपूर्ण जानकारी यह भी दी कि आप जो सपने गढ़ से हैं, उनकी एक सूची अवश्य बनाएं और उसी के अनुसार अपना मार्ग प्रशस्त करें। स्वागत सत्र का संचालन संस्कृति विवि के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष डॉक्टर सीपी वर्मा ने किया। वेबिनार में सुश्री वैष्णवी शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर द्वारा सभी का परिचय कराया गया। डेढ़ घंटे चली इस वेबिनार में श्रीमती सीमा सिंह और श्री इरफान बशीर, असिस्टेंट प्रोफेसर एसओएमसी, संस्कृति विश्वविद्यालय और आदित्य कुमार, मिस दामिनी शर्मा द्वारा वेबिनार की अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी का निर्वाह किया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

राजमार्ग से गुजरते मजदूरों को संस्कृति विवि करा रहा भोजन

मथुरा। थके-हारे, भूखे,प्यासे मजदूरों को राजमार्ग पर उस समय बड़ी राहत मिली जब वे छाता क्षेत्र में स्थित संस्कृति विश्वविद्यालय के सामने पहुंचे। यहां विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने घरों की ओर जा रहे कामगारों के लिए भोजन, पानी की व्यवस्था की हुई थी, इसे देख मजदूरों ने राहत की सांस ली और भोजन के पैकेट लेकर परिवार सहित ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि कोरोना वाइरस की महामारी के चलते, कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है। टोटल लाकडाउन के चलते अन्य प्रदेशों में काम करनेवाले मजदूर अपने घरों की ओर लौट रहे हैं। ये लोग कई दिनों से भूखे प्यासे पैदल यात्रा कर रहे हैं। संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने बताया कि विवि ने सारी सावधानियां बरतते हुए हाईवे से गुजरते इन कामगारों के लिए लगातार भोजन वितरण का निर्णय लिया है। हमारे विवि के लोग सोशल डिस्टेंस को बनाकर इस पुनीत कार्य को कर रहे हैं। कुलाधिपति के निर्देश पर संस्कृति विवि के कर्मचारियों ने विवि के समक्ष हाईवे पर सुबह से ही भोजन वितरण शुरू कर दिया।

लॉकडाउन में संस्कृति विवि ने दी विदेशी भाषाओं की शिक्षा

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए निशुल्क जर्मन एवं फ्रैंच भाषा सीखने की निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जर्मन क्लासेस 14 मई से शुरू हो चुकी हैं, वही फ्रेंच क्लासेस 16 मई से प्रारंभ हुई हैं। ये कक्षाएं 1 माह तक चलेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अश्वनलाइन विदेशी भाषाओं की दी जा रही शिक्षा का यह प्रयास छात्र-छात्राओं के लिए अत्यधिक लाभदायक है। जर्मन क्लासेस सुबह 8:00 बजे से ९:00 बजे तक चलाई जा रही हैं। इसी प्रकार फ्रेंच क्लासेस सुबह 10:00 बजे से 11:00 बजे तक चल रही हैं। जर्मन क्लासेस मानवेंद्र सिंह के द्वारा संचालित हो रही हैं, वहीं फ्रेंच क्लासेस वरिष्ठ प्रोफेसर निर्मल कुंडू द्वारा संचालित की जा रही हैं। क्योंकि यह क्लासेज निशुल्क हैं, इसलिए बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इनका लाभ उठा रहे हैं।

★ ★ ★ ★ ★ ★

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. संजय सिंह बघेल वैगनआर को संबोधित करते हुए।

कोरोना की विपत्ति के बाद कैरियर की संभावनाएं

संस्कृति विवि ने आयोजित की राष्ट्रीय वेबिनार

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड कामर्स द्वारा 'कैरियर अपोर्चुनिटीस पोस्ट कोविड-19' विषयक एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार को दिल्ली विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेटर डा. संजय सिंह बघेल द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया गया। जूम ऐप पर संचालित यह वेबिनार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यू ट्यूब के द्वारा प्रसारित हुई। वेबिनार में अनेक पुरस्कारों से पुरस्कृत डॉक्टर संजय सिंह बघेल ने कोरोना की विभीषिका की जानकारी देते हुए कहा कि इस महामारी से पूरा यूरोप जूझ रहा है और भारत पर भी इसका काफी प्रभाव हुआ है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय रोजगार के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण होगा। ऐसे समय में हमारे देश में छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसर तलाश कर विश्व में अपनी एक पहचान बनाना ही उचित है। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए छात्र-छात्राएं हर वह प्रयास करें जोकि इस देश के विकास के लिए आवश्यक हो। सरकार रोजगार के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। सबसे पहले छात्र-छात्राओं को अपने लिए एक लक्ष्य निर्धारित करना होगा। अगर यह महामारी बड़ा संकट लेकर आई है, तो भारत के लिए कई अवसर भी लाई है। हमारे विद्यार्थियों को यह ध्यान में रखना होगा कि हम अपने स्वरोजगार से देश में ही नहीं विश्व में भी अपनी पहचान बना सकते हैं। इस अवसर का हमारे विद्यार्थियों को लाभ उठाना चाहिए। अपने लिए रोजगार का चयन करना चाहिए। छोटा सा उद्योग भी बहुत ही कम समय में एक बड़ी इंडस्ट्री का रूप ले सकता है। बशर्ते कि उसका उत्पादन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए विश्व की जरूरतों को पूरा करने वाला हो। शिक्षकों को चाहिए कि वे इस काम में विद्यार्थियों की मदद करें, उनकी समस्याओं का समाधान करें, उन्हें वह रास्ते बताएं जिससे कि वे अपने रोजगार को आगे बढ़ा सकें। उन्हें वह क्षेत्र बताएं जहां पर कि वह अपने उत्पादों का सरलता से व्यवसाय कर सकें। ऐसा करने से हमारा देश न केवल मजबूत होगा वरन विश्व में एक बड़े उत्पादनकर्ता के रूप में पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विश्व स्तर पर सफल होने के लिए अपने कौशल और तकनीकी का निरंतर विकास करें। ऐसा करने से वे अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर पाएंगे। एक बार ठान लें तो सफलता पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता। अंत में विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछकर अपनी समस्याओं का समाधान किया। वेबीनार में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर (मध्यप्रदेश), डीएबीवीवी इंदौर, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, एमसीआरपीवी विश्वविद्यालय भोपाल, एमिटी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी राजस्थान, एलएनपीई यूनिवर्सिटी ग्वालियर, हिन्दुस्तान यूनिवर्सिटी चेन्नई, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब आदि के शिक्षकों, विद्यार्थियों ने भाग लिया। वेबिनार में 105 फैकल्टीज और 514 विद्यार्थी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार में संस्कृति विश्वविद्यालय के डीन डॉ. कल्याण कुमार, डॉ. डीसी वशिष्ठ, डॉ. जयदेव शर्मा, डॉ. निर्मल कुंडू, डॉ. पल्लवी श्रीवास्तव, डॉ. अनामिका सक्सेना, डा. मृणाल पालीवाल, डॉ.प्रवीन कुमार, डॉ. दुर्गेश बाधवा, डॉक्टर हरविंदर कौर, डॉ. गोपाल अरोड़ा, सुधांशु शाह, प्रवीण शर्मा आदि अनेक शिक्षक एवं तकनीक विशेषज्ञ उपस्थित थे। वेबिनार में भाग ले रहे प्रमुख लोगों का परिचय संस्कृति विवि के स्कूल आफ मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष डा.सीपी वर्मा ने कराया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

फार्मास्यूटिकल्स और डायग्नोस्टिक्स में माइक्रो बायोलॉजी के महत्व पर मंथन

संस्कृति विवि वेबिनार

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिकल एंड एलाइड साइंसेज द्वारा ''फार्मास्युटिकल्स एंड डायग्नॉस्टिक्स में माइक्रोबायोलॉजी के महत्व'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का संचालन एफवाई फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, बद्दी, एचपी के महाप्रबंधक डॉ. गुरदयाल सिंह ने किया। वेबिनार में विशेषज्ञ वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को दवाओं, टीकों और एंजाइम्स के निर्माण में माइक्रो बायलाजी के प्रभाव और उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महाप्रबंधक डॉ. गुरदयाल ने क्रमशः एंटीबायोटिक उत्पादन, एंटीबायोटिक सेंसिटिविटी परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए उपयोग किए जाने वाले तरीकों के बारे में उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराई। वेबिनार छात्र-छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ क्योंकि इसके माध्यम से पैरामेडिकल छात्रों ने दवाइयों, टीकों, एंजाइम उत्पादन की प्रक्रिया को विस्तार से जाना, जो कि माइक्रोबायोलॉजी और दवा उद्योगों में बायोमेडिकल अपशिष्ट उपचार की मदद से किया गया था। वेबिनार में डीन, एसओईटी, डॉ. सुरेश कासवान, डीन, एसएमएएस, डॉ.पल्लवी श्रीवास्तव, एचओडी, फार्मेसी, सुश्री अनामिका सक्सेना, सभी संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे।

★ ★ ★ ★ ★ ★